भजन

तरसत हमरे प्यासे नयनवा,
तुमरे दरस बिन पाए न चैनवा

1- काहे को विदेसवा में लाए पिया जी,
जहां नहीं तुम बिन लागे जिया जी
भूल भूलैया में घबराए मनवा

2- याद आए पिया तोरी मीठी मीठी बतियां,
जिन्हें याद कर कर हरखत सखियां
व्याकुल हुआ है हमरा करेजवा

3- धाम की नगरीया में रहन हमारी,
युगल सरूप की छवि जहां प्यारी
उनके चरण में बीते दिन और रैनवा